

केंद्र सरकार ने 15 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाया गन्ने का दाम

किसानों को अब 305 रुपये क्विंटल मिलेगा भाव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 2022-23 के लिए गन्ने के दाम में 15 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की है। गन्ना किसानों को चीनी मिलें अब 305 रुपये प्रति क्विंटल का भाव देंगी। सरकार ने बुधवार को कैबिनेट की मीटिंग में 15 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाने का फैसला किया। इसे 2022-23 के लिए बढ़ाया गया है। इस फैसले से 5 करोड़ गन्ना किसानों और उन पर निर्भर रहने वालों को फायदा होगा। साथ ही इस क्षेत्र और चीनी मिल में काम कर रहे 5 लाख कामगारों को भी फायदा होगा। गन्ने का फेराई सत्र अक्टूबर से शुरू होता है।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी ने इस पर फैसला लिया। 2022-23 के लिए गन्ने की उत्पादन लागत 162 रुपये प्रति क्विंटल रही है। गन्ने का उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) वह न्यूनतम मूल्य होता



92,710 करोड़ रुपये का भुगतान : मंत्रालय ने कहा पिछले फेराई सत्र में लगभग 92,938 करोड़ रुपये गन्ना मूल्य वकालत था, जिसमें से 92,710 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। अब केवल 228 करोड़ रुपये बचे हैं। 2021-22 में 1.15 लाख करोड़ रुपये के वकालत में से एक अगस्त तक किसानों को 1.05 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है।

है, जिस पर चीनी मिलों को किसानों से गन्ना खरीदना होता है। सरकार की ओर से कहा गया है कि 8 साल में एफआरपी में 34 फीसदी से ज्यादा

18 हजार करोड़ की मदद

सूखों के मुताबिक, चीनी के निर्यात की सुविधा और बरफ स्टॉक बनाए रखने, इंधन-तेल उत्पादन क्षमता बढ़ाने व किसानों के वकालत की विकासों के लिए चीनी मिलों को 18,000 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय मदद दी गई है। धानू सीजन में मिलों ने 1.15 लाख करोड़ रुपये का 3,530 लाख टन गन्ना खरीदा है।

■ 2022-23 में 3,600 लाख टन से ज्यादा गन्ना खरीदी की उम्मीद है। इसकी कीमत 120 लाख करोड़ रुपये हो सकती है।

की बढ़त हुई है। चीनी की कीमतों में गिरावट को रोकने के लिए सरकार ने प्रति किलो चीनी की कीमत 31 रुपये निर्धारित किया है। व्युत्पन्न